रात्रिकलास ओमशान्ति शिवबाबा याद है? 1-2-68

नाटक चल रहा है तुम ने कोई भूल की? ड्रामा चल रहा हैं तुम ने कोई भूल की? ड्रामा ने भूल कराई ना। जान-बूझ भूल की क्या। भक्ति से दुर्गति में पहुंचे इन में उनकी दोष थोड़े ही है। ड्रामा अनुसार पार्ट चला। बच्चे कहेंगे भूल हुई ड्रामा अनुसार। ड्रामा ने भूल कराई। वह तुम ने नहीं की। ड्रामा ने कराई। ड्रामा में नूंध है। फिर तुमको ड्रामा अभूल बनाती है। तुम्हारी मेहनत ही क्या हुई। ड्रामा में नूंध है ऐसा समझने से फिर दुःख की बात नहीं। ड्रामा ने चलाया। घाटा पड़ा ड्रामा ने कराया। हम क्या कर सकते हैं। इसलिए ही बाबा कहते हैं बनी बनाई.... ऐसी कोई बात नहीं जो बिगर नूंध हो। जो नूंध है वही होता है। गाते भी हैं बनी बनाई.... जो कुछ हुआ ड्रामा में नूंध है ना फिर फिकरात न होनी चाहिए। अभी तुम बच्चों को ड्रामा का ज्ञान मिला हुआ है ना। इसलिए साक्षी होकर देखो। जो भूल हुई वह भी ड्रामा अनुसार ही हुई ना। हम चिन्ता ही क्यों करें। जो थी सो हुई। फिर चिन्ता की बात ही नहीं। सदैव सन्तुष्ट रहना चाहिए। मनुष्य ड्रामा को जानते नहीं। अभी तुमको ज्ञान मिलता है कुछ भी अहुआ चिन्ता नहीं। फायदा हुआ अच्छा हुआ, नुकसान हुआ ड्रामा में था। सेकन्ड व सेकन्ड जो ड्रामा में है वही चलता है। ड्रामा अनुसार हरेक अपने भले ही पुरुषार्थ कर रहे हैं। चोरी भी अपने भले ही करते हैं पेट गुजारा होगा। अपनी समझ तो है नहीं। यह बातें सुख-दुःख मान-अपमान की बातें होती है भक्ति मार्ग दुःखधाम में। सतयुग में यह बातें नहीं होती। जो होता है ड्रामा अनुसार। भूल घड़ी2 करते रहेंगे तो खाता खराब हो जावेगा। बाबा कहेंगे तुम्हारी तकदीर नीचे गिर जावेगी। तुम हो स्टुडन्ट। स्टुडन्ट का फर्ज है स्टडी अच्छी करना तो मर्तबा मिले। पढ़ाई में फायदा होता है। ऐसे भी बहुत हैं नहीं पढ़ते हैं तो कहा जाता है तकदीर। दिल खुश करते हैं मैं समझता हूं। बाबा कहते हैं तुम कुछ भी नहीं समझते हो। बुधु बुधि हो। सेन्टर खोलने से बहुतों का कल्याण होता है। इसका बहुत फायदा मिलता है। शुभ कार्य कर लेना चाहिए। भविष्य के लिए उनकी कमाई जैसे कि चालू ही है। सेन्टर स्थापन करने में मदद करते हैं तो फायदा बहुत मिलता है। सेन्टर ही खोलना है या मकान आद बनाना है। मतलब जो करता है मदद उनको उसका रिटर्न में जरूर मिलता है। जो अच्छी तरह सर्विस करेंगे, प्रजा भी बनानी पड़ें। सेन्टर खोलने का थोक जरूर चाहिए। व्यापारी लोग दुकान खोलते रहेंगे। बिरला के कितने कारखाने हैं। बहुतों को फायदा होता है। जिसने माल खरीदा उसको फायदा हुआ बहुतों की आजीविका होती है। यह सब किया जाता है भविष्य के लिए। भविष्य हमारा बनता है यह तुम जरूर जानते हो। जितना हो सके कोशिश करनी चाहिए। 2। जन्म लिए जमा करना है। इसलिए बाबा कहते हैं चौपड़ी निकालो। कोई-कोई व्यापारी रोज़ का भी हिसाब निकालते हैं। तुमको भी जांच करनी है। तुम्हारी तो ढेर कमाई है। देखना चाहिए हमारे से ऐसी तो कोई भूल नहीं होती जिससे घाटा पड़ जावे। याद की पुरुषार्थ बहुत करना है। कहते हैं बाबा भूल जाते हैं। अनुभव किया जाता है 2-3 मिनट याद रही फिर भूल जावेंगे फिर याद करेंगे। दृष्टि देकर कुछ खाया तो असर नहीं लगेगा। बाबा ने डायरेक्शन दिया है ना। गृहस्थ व्यवहार में अनेक प्रकार की दिक्कतें आती हैं। तो अपनी रेसपान्सिबुल्टी पर डायरेक्शन देता हूं। खाने में हर्जा नहीं है। अगर दृष्टि दे खावेंगे तो। हठयोग तो नहीं है जो भूख मरे। अपने को कष्ट देने की दरकार नहीं है। इसलिए सब बातें सहज की जाती है। जब किसका कल्याण करते हो तो ऐसे समझो हम भाई को समझाते हैं। यह टेव रखनी है तो फिमनल आई न चलेंगी। शरीर को ही भूलाये देते हैं। यह बड़ी गुह्य पाईन्ट है। बड़ी कड़ी पुरुषार्थ की पाईन्ट है। अच्छा ओम।

****

यह वन्डर है ना जो बाबा तुमको इस वन्डर फल स्वर्ग का मालिक बनाते हैं। इसका नाम ही है स्वर्ग। गाड-फादर तुमको पढ़ाते हैं। हैं कितना साधारण। कितना रोज2 बच्चों को समझाते रहते हैं। बच्चों को कहते हैं नमस्ते। तुम मेरे से भी ऊंच जाते हो। तुम ही फिर कंगाल बनते हो। बड़े ही रुची से बाप आते हैं। अनगिनत बार आये होंगे। आज तुम मुझ राम से राज्य लेते हो। कल फिर तुम रावण से राज्य हराते हो। यह खेल है। अच्छा ओम।